



भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नागपुर

INDIAN INSTITUTE OF INFORMATION TECHNOLOGY, NAGPUR

"An Institution of National Importance by an Act of Parliament"

Website: www.iiitn.ac.in Email: director@iiitn.ac.in, registrar@iiitn.ac.in Phone: 9405215010

PRESS RELEASE

23rd July 2024

English

One Day Workshop on Maintenance of Plantation Site, Biodiversity and Counting of Trees

The HCL Foundation and NGO Aroha organized a one-day workshop on the maintenance of plantation sites, biodiversity and tree counting in the month of July 2024. The workshop held in the conference room on the ground floor of the Academic Building, IIIT Nagpur.

The program began with a welcome address by Miss Pragati Gore from HCLF Nagpur, who greet Dr. O.G. Kakde, Director, IIIT Nagpur, Shri Kailash Dakhale, Registrar, IIIT Nagpur, Dr. Khushboo Jain, Assistant Professor, CSE, IIIT Nagpur, Shri Harshad Pophali, OSD, IIIT Nagpur, Shri Rajesh Hakke, OSD, IIIT Nagpur, along with Mrs. Vishakha Rao, President of NGO Aroha and Mrs. Sharmistha Gandhi, CEO of NGO Aroha.

Two faculty members from HCLF, Delhi, Miss Sugandha and Miss Varsha Tevatia, initiated the program with a session on biodiversity. Which includes a site visit to the plantation areas (Phase-I and Phase-II), where they provided a detailed assessment to the gardeners of IIIT and Aroha on how to identify and calculate the variety of species and plants manually. The session also covered butterfly monitoring, identifying different types of nests and insect monitoring. Participants also visited the Mia-Walki project created by Aroha, which aims to create a small area densely planted with oxygen-producing trees.

The event concluded successfully, contributing to the awareness and education on biodiversity and sustainable practices. Dr. O.G. Kakde, Director of IIIT Nagpur, congratulated the committee for the successful organization of the event.

Hindi

वृक्षारोपण स्थल के रखरखाव एवम विविधता और पेड़ों की गिनती पर एक दिवसीय कार्यशाला

एचसीएल फाउंडेशन और एनजीओ आरोहा ने जुलाई २०२४ के महीने में वृक्षारोपण स्थलों के रखरखाव एवम विविधता और वृक्षों की गिनती पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला अकादमिक भवन ए आईआईआईटी नागपुर के भूतल पर सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत एचसीएलएफ नागपुर की मिस प्रगति गोरे के स्वागत भाषण से हुई। जिन्होंने डॉ. ओ. जी. काकड़े, निदेशक, श्री कैलाश डाखले, रजिस्ट्रार, डॉ. खुशबू जैन, सहायक प्रोफेसर, श्री हर्षद पोफली, ओएसडी, श्री राजेश हक्के, ओएसडीए भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नागपुर और एनजीओ आरोहा की अध्यक्ष श्रीमती विशाखा राव, और श्रीमती शर्मिष्ठा गांधीए एनजीओ आरोहा की सीईओ का स्वागत किया। एचसीएल फाउंडेशन दिल्ली के दो संकाय सदस्य सुश्री सुगंधा और सुश्री वर्षा तेवतिया ने जैव विविधता पर एक सत्र के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसमें वृक्षारोपण क्षेत्रों (चरण एक और चरण दो) साइट का दौरा शामिल था। जहां उन्होंने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नागपुर और आरोहा के बागवानों को प्रजातियों और पौधों की विविधता की पहचान और गणना करने के तरीके के बारे में विस्तृत मूल्यांकन प्रदान किया। सत्र में तितली निगरानी, विभिन्न प्रकार के घोंसलों की पहचान और कीड़ों की निगरानी भी शामिल थी। प्रतिभागियों ने आरोहा द्वारा बनाई गई मिया-वाकी परियोजना का भी दौरा किया, जिसका उद्देश्य ऑक्सीजन पैदा करने वाले पेड़ों से घिरा एक छोटा सा क्षेत्र बनाना है।

जैव विविधता और टिकाऊ प्रथाओं पर जागरूकता और शिक्षा में योगदान देते हुए यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डॉ. ओ. जी. काकड़े, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नागपुर के निदेशक ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समिति को बधाई दी।

Marathi

वृक्षारोपण स्थळाची देखभाल, जैवविविधता आणि वृक्षगणना या विषयावर एक दिवसीय कार्यशाळा

एचसीएल फाउंडेशन आणि एनजीओ आरोहा यांनी जुलै 2024 मध्ये वृक्षारोपण स्थळांची देखभाल, जैवविविधता आणि वृक्षगणना यावर एक दिवसीय कार्यशाळा भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपूर येथे आयोजित केली होती. कार्यक्रमाची सुरुवात एचसीएलएफ फाउंडेशन . समारंभात .नागपूरच्या मिस प्रगती गोरे यांच्या स्वागतपर भाषणाने झाली. प्राध्यापक ओ(संचालक) काकडे .जी ., श्री कैलास डाखले (कुलसचिव), डॉ.खुशबू जैन ., सहायक प्रोफेसर, श्री हर्षद पोफली, ओएसडी, श्री राजेश हक्के, ओएसडी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नागपूर आणि एनजीओ आरोहाच्या अध्यक्षा श्रीमती विशाखा राव आणि एनजीओच्या सीईओ श्रीमती शर्मिष्ठा गांधी यांनी त्यांचे स्वागत केले. एचसीएल फाउंडेशन . दिल्ली मधील दोन प्राध्यापक सदस्य सुश्री सुगंधा आणि सुश्री वर्षा तेवतिया यांनी जैवविविधतेवरील सत्राद्वारे कार्यक्रमाची सुरुवात केली, ज्यामध्ये वृक्षारोपण क्षेत्रांना टप्पा I आणि टप्पा II) साइट भेटीचा समावेश आहे. जिथे त्यांनी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान ., नागपूर आणि आरोहाच्या बागायतदारांना विविध प्रजाती आणि वनस्पतींची व्यक्तिचलितपणे ओळख आणि गणना कशी करावी याबद्दल तपशीलवार मूल्यांकन प्रदान केले . या सत्रात फुलपाखरांचे निरीक्षण विविध प्रकारची घरटी ओळखणे आणि कीटकांचे निरीक्षण यांचा समावेश करण्यात आला.

सहभागींनी आरोहाने तयार केलेल्या मियाज्याचा उद्देश ऑक्सिजन निर्माण करणाऱ्या झाडांनी घनतेने लागवड .वाकी प्रकल्पालाही भेट दिली- जैवविविधता आणि शाश्वत पद्धतीबद्दल .केलेले एक लहान क्षेत्र तयार करणे आहे. जागरूकता आणि शिक्षणामध्ये योगदान देऊन कार्यक्रम यशस्वीरित्या संपन्न झाला. काकडे .जी .ओ .डॉ ., भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नागपूर चे संचालक यांनी कार्यक्रमाच्या यशस्वी आयोजनाबद्दल समितीचे अभिनंदन केले.

